YUVA SANGAM (युवा संगम)

Exposure Visit of Youth to Various States of India

G20 भारत 2023 INDIA

Azadi Ka Amrit Mahotsav

Ek Bharat Shreshtha Bharat

Yuva sangam

नोडल संस्थान

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
LUCKNOW
प्रज्ञा शील करूणा
ESTABLISHED 1996

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय

लखनऊ, उत्तर प्रदेश

युग्मन संस्थान

पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय

शिलांग, मेघालय

11 मार्च – 15 मार्च , 2023

समिति के सदस्य

प्रो. संजय सिंह
कुलपति

प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा
नोडल अधिकारी

प्रो. शिल्पी वर्मा
संयोजक

प्रो. यू.वी. किरण
सदस्य

प्रो. वेंकटेश दत्ता
सदस्य

डॉ. नीतू सिंह
सदस्य

डॉ. रचना गंगवार
सदस्य

डॉ. मोनिका शर्मा
सदस्य

डॉ. मनोज कुमार ढडवाल
सदस्य

डॉ. राहुल वार्ष्णेय
सदस्य

डॉ. सोमिपम आर. शिमरे
सदस्य

पहला दिन: 11 मार्च, 2023

"एक भारत, श्रेष्ठ भारत" अभियान के अंतर्गत आयोजित युवा संगम कार्यक्रम के तहत 11 मार्च, 2023 को मेघालय से 40 छात्रों और 5 शिक्षकों का दल सुबह 6:00 बजे लखनऊ पहुंचा। युवा संगम कार्यक्रम के तहत उत्तर प्रदेश के भ्रमण पर निकले इस दल का बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी (बीबीएयू) के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के नोडल अधिकारी प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा एवं टीम के कुछ सदस्यों द्वारा लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद ये सभी विद्यार्थी बीबीएयू परिसर पहुंचे। मेघालय के छात्रों एवं शिक्षकों के रहने एवं भोजन की व्यवस्था बीबीएयू के अतिथि गृह में की गयी।

लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर मेघालय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत

अतिथि गृह, बीबीएयू परिसर, लखनऊ

यात्रा के पहले दिन विद्यार्थियों को सबसे पहले राजभवन ले जाया गया। यहां राजभवन की प्रिंसिपल सेक्रेटरी श्रीमती कल्पना अवस्थी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल महोदया श्रीमती आनंदीबेन पटेल बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयासरत हैं। वे न सिर्फ प्राथमिक या माध्यमिक शिक्षा, बल्कि उच्च शिक्षा में भी विद्यार्थियों को सभी उम्दा सुविधाएं उपलब्ध हो, इस दिशा में लगातार काम कर रहीं हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश में विश्वविद्यालयों की नैक ग्रेडिंग बेहतर करने के लिए भी विश्वविद्यालयों में काफी कार्य किये हैं। श्रीमती अवस्थी ने आगे बताया कि राज्यपाल महोदया उच्च शिक्षण संस्थानों में रोज़गारोन्मुखी और कौशल विकास से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू हों इसपर भी ध्यान दे रही हैं। साथ ही मैडम राज्यपाल विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा ग्रहण करने के साथ समाज सेवा के कार्यों को करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

राजभवन पर विद्यार्थियों को एक गाइड भी उपलब्ध कराया गया जिसने राजभवन की सारी खूबियों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। विद्यार्थियों ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि यात्रा की शुरुआत राजभवन से होना उनके लिए काफी उत्साह भरा रहा। विद्यार्थी राजभवन में उगाई जाने वाली सब्ज़ियों और उन्हें आश्रम में दान किये जाने की प्रक्रिया से काफी प्रभावित थे। विद्यार्थियों ने राजभवन में स्थित संग्रहालय भी देखा। इस दौरान विद्यार्थियों ने राजभवन के इतिहास के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

गवर्नर हाउस, लखनऊ का दौरा

गवर्नर हाउस, लखनऊ का दौरा

इसके बाद बीबीएयू की टीम के नेतृत्व में यह दल हजरतगंज, बड़ा इमामबाड़ा, छोटा इमामबाड़ा, क्लॉक टॉवर, हुसैनबाद पिक्चर गैलरी और रुमी गेट की सैर की और साथ ही यहां के इतिहास के बारे में भी जाना। इन ऐतिहासिक इमारतों का दौरा करना नवाबों के समय में वापस जाने और इतिहास को फिर से जीने के बराबर है जिसमें उत्तर प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और विरासत शामिल है। ये इमारतें वास्तुकला की अवधी शैली को प्रदर्शित करती हैं और इस प्रकार यह पर्यटन लखनऊ की परम्पराओं को सुशोभित करता है।

इमामबाड़ा, लखनऊ का भ्रमण

रूमी गेट, लखनऊ का भ्रमण

घंटाघर, लखनऊ का भ्रमण

पिक्चर गैलरी, लखनऊ का भ्रमण

दिन के अंत में मेघालय का दल पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ के कांफ्रेंस हाल में बीबीएयू के विद्यार्थियों के साथ परस्पर संपर्क करने के लिए पहुंचा। यह कार्यक्रम शिक्षा मंत्रालय से आये अतिथि श्री सुरेंद्र नायक, एक भारत श्रेष्ठ भारत, बीबीएयू के नोडल अधिकारी प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा एवं टीम के सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मेघालय के प्रत्येक छात्र के लिए बीबीएयू की ओर से एक मित्र आवंटित किया गया। विद्यार्थियों ने एक दूसरे के गुलाल लगाते हुए अपनी मित्रता की शुरुआत की एवं एक-दूसरे के संपर्क नंबर का आदान प्रदान भी किया।

इस मौके पर प्रो. अरोड़ा ने कहा कि छात्रों का यह दल पूरे उत्साह के साथ उत्तर प्रदेश दौरे का आनंद ले रहा है। इस दल ने आज यहां पुराने लखनऊ की सैर की। इस दल ने न सिर्फ पुराने लखनऊ में नवाबों की नगरी में ऐतिहासिक इमारतों और उसके इतिहास को जाना बल्कि लखनऊ की तहज़ीब को करीब से महसूस किया। आगामी दिनों में यह दल उत्तर प्रदेश की परम्परा, प्रगति एवं प्रौद्योगिकी के बारे में भी जानकारी प्राप्त करेगा कि किस तरह यह शहर आज तकनीकी, विज्ञान तथा खेलकूद के क्षेत्र में भी काफी प्रगति कर रहा है।

बीबीएयू कैंपस, लखनऊ में मित्र संवाद बैठक

बीबीएयू कैंपस, लखनऊ में मित्र संवाद बैठक

बीबीएयू कैंपस, लखनऊ में मित्र संवाद बैठक

बीबीएयू कैंपस, लखनऊ में मित्र संवाद बैठक

बीबीएयू कैंपस, लखनऊ में मित्र संवाद बैठक

दूसरा दिन: 12 मार्च, 2023

युवा संगम कार्यक्रम के तहत मेघालय से उत्तर प्रदेश भ्रमण पर आया 45 सदस्यीय दल ने दूसरे दिन शैक्षिक यात्रा की। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' अभियान के अंतर्गत पूरे उत्तर प्रदेश से चयनित नोडल संस्थान बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी के नेतृत्व में इस दल ने दूसरे दिन सीएसआईआर-सीमैप एवं कुकरैल फॉरेस्ट रिजर्व के बारे में जानकारी प्राप्त की।

सर्वप्रथम विद्यार्थियों ने सीएसआईआर- केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीमैप) का दौरा किया जहां सीमैप के निदेशक डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी ने मेघालय दल का स्वागत किया। डॉ. त्रिवेदी ने विद्यार्थियों को औषधीय पौधों और उनसे होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी । इसके साथ ही सीमैप के वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों को औषधीय पौधों से तेल निकालने की जानकारी दी और तेल आसवन इकाई भी दिखाई। विद्यार्थियों को उत्तर प्रदेश के प्रमुख औषधीय पौधे दिखाए गए। इसके बाद विद्यार्थियों को सीमैप के औषधीय पौधों से बनी दवाओं के प्रदर्शनी केंद्र ले जाया गया जहाँ उन्हें यह सुझाव दिया गया कि उन्हें भी इस तकनीक से कोई स्टार्ट-अप शुरू करना चाहिए। सीमैप के वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों को शिक्षा और विज्ञान के लिए प्रेरित भी किया। विद्यार्थियों ने यहाँ प्रौद्योगिकी विकास के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

"औस ज्ञान्या"; खेती की कृषि तकनीकी पुस्तिका का वितरण सीएसआईआर- सीमैप, लखनऊ

शैक्षिक भ्रमण- सीएसआईआर- सीमैप, लखनऊ

इसके बाद कुकरैल फॉरेस्ट रिजर्व में मेघालय से आए सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने डॉ. रवि शंकर सिंह, संभागीय वन अधिकारी से मुलाकात की। डॉ. सिंह ने विद्यार्थियों के इस समूह को ज्यादा बेहतर और विस्तृत जानकारी प्रदान करने के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान का भी आयोजन किया। व्याख्यान में छात्रों ने कुकरैल फारेस्ट रिज़र्व में घड़ियालों और कछुओं के संरक्षण के बारे में जानकारी प्राप्त की। कुकरैल भ्रमण न सिर्फ ज्ञान वर्धक रहा बल्कि इतनी बड़ी संख्या में घड़ियालों को देखना और उनके बारे में जानकारी प्राप्त करने का अनुभव उनके लिए बेहद उत्साहवर्धक रहा। इसका एक घड़ियाल प्रजनन केंद्र है जिसे घड़ियालों के प्रजनन और संरक्षण के लिए स्थापित किया गया था। डॉ. शैलेंद्र सिंह, निदेशक, टर्टल सर्वाइवल एलायंस (टीएसए)-भारत और सुश्री अरुणिमा सिंह, परियोजना समन्वयक, टीएसए-भारत ने विद्यार्थियों को घड़ियालों के प्रजनन एवं संरक्षण की तकनीक के बारे में बताया। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने वनस्पतियों और जीवों दोनों की संरक्षण गतिविधियों के बारे में सीखा। नेशनल ज्योग्राफिक सोसाइटी द्वारा कुकरैल रिजर्व फ़ॉरेस्ट को शीर्ष सबसे सफल मगरमच्छ प्रजनन केंद्र के रूप में दर्जा दिया गया है। यह सफलता भारत के विकास को दर्शाती है। वन विभाग के वन्यजीव विंग के पास कुकरैल में एक वन्यजीव संग्रहालय और व्याख्या केंद्र का भी भ्रमण किया।

कुकरैल वन अभ्यारण्य, लखनऊ का भ्रमण

कुकरैल आरक्षित वन, लखनऊ में कछुए के प्रजनन हेतु प्रशिक्षण

यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने रिवर फ्रंट पार्क की भी सैर की और यहां की बाजारों में भी खरीददारी की। यह पार्क नई तकनीक के अनुसार बनाया गया है।

गोमती रिवरफ्रंट पार्क, लखनऊ का भ्रमण

तीसरा दिन: 13 मार्च, 2023

युवा संगम कार्यक्रम के तहत मेघालय से 5 दिवसीय उत्तर प्रदेश भ्रमण पर आए 45 सदस्यीय दल ने तीसरे दिन सबसे पहले बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह से मुलाकात की। कुलपति महोदय ने विवि के पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ के कांफ्रेंस हाल में मेघालय से आए सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का उद्बोधन किया। कुलपति महोदय ने इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए कहा कि "एक भारत श्रेष्ठ भारत" अभियान के अंतर्गत आयोजित युवा संगम कार्यक्रम भारत के विभिन्न प्रदेशों में आपसी संप्रभुता स्थापित करने, एक दूसरे की संस्कृति और सभ्यता को समझने तथा भारत की 'अनेकता में एकता' की विशेषता को दर्शाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने मेघालय से आये छात्रों को बीबीएयू के बारे में बताया। यहाँ चल रहे पाठ्यक्रम एवं प्रवेश प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। उन्होंने उत्तर प्रदेश भ्रमण पर आए दल का हौसला बढ़ाया एवं अपनी शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के अंत में कुलपति महोदय ने मेघालय के प्रत्येक अतिथि को यादगार के रूप में कुछ उपहार दिए।

बीबीएयू के कुलपति के साथ मेघालय प्रतिनिधिमंडल की बातचीत

बीबीएयू कैंपस, लखनऊ

इसके बाद इस दल को लूलू मॉल ले जाया गया। जिसे उत्तर भारत का सबसे बड़ा शॉपिंग मॉल होने का श्रेय प्राप्त है। यह लगभग 185000 वर्ग मीटर में नई तकनीकी से बनाया गया इस मॉल में 300 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड हैं, लूलू मॉल की खूबियों और विशेषताओं को देखने और घूमने के साथ-साथ विद्यार्थियों ने मॉल में खरीददारी और ढेर सारी मस्ती की। यह शहर का सबसे पसंदीदा शॉपिंग डेस्टिनेशन है। इसका देश में सबसे बड़ा हाइपरमार्केट भी है। यह मॉल देश की प्रगति को दर्शाता है। इसके पश्चात इस दल ने अंतर्राष्ट्रीय एकाना क्रिकेट स्टेडियम भी देखा।

लुलु मॉल, लखनऊ में मेघालय प्रतिनिधिमंडल ने मस्ती की

लुलु मॉल, लखनऊ में मेघालय प्रतिनिधिमंडल ने खरीदारी की

लुलु मॉल, लखनऊ का दौरा

इसके बाद विद्यार्थियों के इस दल ने स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (साई) का दौरा किया। साई के लखनऊ सेंटर के एग्जेक्युटिव डायरेक्टर श्री संजय सारस्वत ने विद्यार्थियों को डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से साई की उपलब्धियों के बारे में बताया और साथ ही वहां खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि साई द्वारा खेल में रुचि रखने वाले बच्चों और युवाओं को किस प्रकार सहयोग प्रदान कर आगे बढ़ाया जाता है। उन्होंने मेघालय से आये दल को साई का दौरा कराया और वहां मौजूद निम्नलिखित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से भी मुलाकात कराई। इस अकादमी में विद्यार्थियों को बॉक्सिंग, रेसलिंग, हॉकी, ताइक्वांडो आदि की सुविधाएं दिखाई गयी।

- **भारोत्तोलन खिलाड़ी**
    1. मार्लिना बेसी
    2. नवदीव कौर
    3. आलोक यादव

- **हॉकी खिलाड़ी**
    1. राज कुमार पाल
    2. उत्तम के साहू
    3. शारदानंद तिवारी
    4. हीना बानो

- **कुश्ती खिलाड़ी**
    1. मानसी यादव
    2. रौनक नागर
    3. शिक्षा
    4. चंचला

खिलाड़ियों से मुलाकात के बाद छात्र काफी उत्साहित दिखे। यह दौरा विद्यार्थियों को खेल एवं राष्ट्रवाद के प्रति प्रेरित करता है।

इसके बाद विद्यार्थियों को लखनऊ के जी-20 रोड का दौरा भी कराया गया जहां उन्होंने उत्तर प्रदेश की मशहूर ऐतिहासिक इमारतों और यहां की अन्य विशेषताओं को दर्शाते पोस्टर और खूबसूरत सजे हुए मार्गों को देखा।

स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (साई) का दौरा

स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (साई) का दौरा

विद्यार्थियों के तीसरे दिन के कार्यक्रम का समापन बीबीएयू के प्रेक्षागृह में आयोजित सांस्कृतिक संध्या के साथ हुआ। प्रेक्षागृह में बीबीएयू के विद्यार्थियों ने उत्तर प्रदेश में गाए जाने वाले गीत, संगीत एवं नृत्य पर आधारित मनोरंजक प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बीबीएयू के विद्यार्थियों ने सीता स्वयंवर, कृष्ण लीला, सूफी नृत्य, शिव तांडव, कविता, अम्बेडकर प्रसंग नृत्य, समूह गीत एवं फैशन शो का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मेघालय से आए विद्यार्थियों ने भी प्रस्तुत दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से मेघालय के विद्यार्थियों ने उत्तर प्रदेश की संस्कृति, भाषा एवं वेशभूषा के बारे में भी जाना।

कथक नृत्य की प्रस्तुति

शिव तांडव की प्रस्तुति

मेघालय के छात्रों द्वारा प्रस्तुति

सीता स्वयंवर की प्रस्तुति

सूफी नृत्य की प्रस्तुति

अम्बेडकर प्रसंग पर नृत्य की प्रस्तुति

उत्तर प्रदेश की पारंपरिक वेशभूषा का प्रदर्शन

बीबीएयू परिसर लखनऊ में सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान दर्शकों की उपस्थिति

हस्तनिर्मित कार्ड का वितरण

सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान सामूहिक तस्वीर

चौथा दिन: 14 मार्च, 2023

युवा संगम कार्यक्रम के तहत मेघालय से 5 दिवसीय उत्तर प्रदेश भ्रमण पर आया 45 सदस्यीय दल बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय से सुबह अयोध्या भ्रमण के लिए रवाना हुआ। "एक भारत श्रेष्ठ भारत" अभियान के यूपी के नोडल संस्थान बीबीएयू के नेतृत्व में इस दल ने चौथा दिन अयोध्या का दौरा किया, इसके बाद सभी विद्यार्थी बनारस का भ्रमण भी किया।

अपने भ्रमण के चौथे दिन प्रातः काल यह दल बीबीएयू परिसर से अयोध्या के लिए रवाना हुआ। विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने विद्यार्थियों से मुलाकात कर उन्हें आगे की यात्रा के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए उन्हें विवि से विदा किया। इस अवसर पर एक भारत श्रेष्ठ भारत के नोडल ऑफिसर प्रो0 नवीन कुमार अरोड़ा, सदस्य प्रो शिल्पी वर्मा, डॉ0 रचना गंगवार, डॉ0 आर. एस. वर्मा, डॉ0 मोनिका समेत अन्य शिक्षकों ने भी इस दल को लखनऊ से विदा किया।

मेघालय प्रतिनिधिमंडल की बीबीएयू, लखनऊ से विदाई

अयोध्या पहुँच कर विद्यार्थियों ने राम जन्म भूमि, हनुमान गढ़ी, कनक भवन, तुलसी स्मारक भवन, सीता रसोई का दर्शन किया। अपने अनुभव साझा करते हुए मेघालय से आये छात्रों ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित यह युवा संगम कार्यक्रम उनके लिए काफी ज्ञानवर्धक और आनंद दायक रहा। इस यात्रा के दौरान उन्होनें उत्तर प्रदेश के विभिन्न ऐतिहासिक इमारतों और वहां के इतिहास को जाना। विद्यार्थियों ने कहा कि आज अयोध्या की यात्रा के दौरान उन्होंने कई मंदिरों के दर्शन किये एवं यहाँ की संस्कृति से रुबरु हुए । अयोध्या एक धार्मिक नगरी है और यहां के लोग भी अपनी प्राचीन परंपरा को सहेजे हुए हैं। अयोध्या भारत की संस्कृति का प्रतीक है।

अयोध्या दर्शन के बाद शाम को यह दल बनारस के लिए निकला।

मेघालय प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश के अयोध्या पहुंचा

अयोध्या नगरी का भ्रमण

कनक भवन, अयोध्या का भ्रमण

पांचवा दिन: 15 मार्च, 2023

युवा संगम कार्यक्रम के तहत मेघालय से 5 दिवसीय उत्तर प्रदेश भ्रमण पर आए 45 सदस्यीय दल ने अपनी यात्रा के अंतिम दिन धार्मिक नगरी काशी का भ्रमण किया। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' अभियान की उत्तर प्रदेश की नोडल संस्थान बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के नेतृत्व में मेघालय से आई टीम ने बनारसी सुबह और वहां के घाटों का आनंद लिया।

विद्यार्थियों ने प्रातः काल काशी विश्वनाथ मंदिर, संकट मोचन हनुमान मंदिर का दर्शन किया। अपने अनुभव साझा करते हुए मेघालय के छात्रों ने कहा कि बनारस घूमने का अनुभव उनके लिए काफी अलग था। यहां के मंदिर और मान्यताओं के बारे में जानना, यह सब एक नया अनुभव है। यहां गंगा स्नान को लेकर लोगों के मन में जो आस्था और विश्वास है, ऐसा कुछ उन्होंने कभी अपने प्रदेश में पहले नहीं देखा।

काशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी में दर्शन

काशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी का भ्रमण

काशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी का भ्रमण

इसके बाद यह दल बनारस हिंदू विश्वविद्यालय पहुंचा, जहाँ विद्यार्थियों ने बीएचयू के डीन छात्र कल्याण- प्रो. अनुपम कुमार नेमा, चीफ प्रॉक्टर- प्रो. अभिमन्यु सिंह एवं मालवीय केंद्र के निदेशक- प्रो. संजय सिंह के साथ परस्पर संपर्क किया और वहां के इतिहास के बारे में भी जाना। बीएचयू द्वारा इन विद्यार्थियों के लिए परिसर में ही ठहरने की व्यवस्था की गई थी।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी का भ्रमण

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी का भ्रमण

बीएचयू भ्रमण के बाद विद्यार्थियों ने सारनाथ का भी भ्रमण किया। वहां विद्यार्थियों में सारनाथ का धामेक स्तूप और सारनाथ का संग्रहालय देखा। उन्होंने संग्रहालय में संरक्षित बौद्ध कला की प्रतीक मूर्तियों और अशोक स्तम्भ का मुकुट भी देखा। विद्यार्थियों ने सारनाथ में लोकल मार्केट से खरीदारी भी की।

धामेक स्तूप, सारनाथ का भ्रमण

संग्रहालय, सारनाथ का भ्रमण

सारनाथ के स्थानीय बाजार में खरीददारी

इसके बाद विद्यार्थियों को वाराणसी के दशाश्वमेध घाट ले जाया गया जहां उन्होंने पारंपरिक गंगा आरती का नज़ारा देखा। गंगा आरती देखना विद्यार्थियों के लिए रोचक और आनंदभरा अनुभव रहा।

पारंपरिक गंगा आरती, दशाश्वमेध घाट, वाराणसी

इसके बाद बीबीएयू के कुछ समिति सदस्यों ने मेघालय प्रतिनिधिमंडल को वाराणसी रेलवे स्टेशन पर विदा किया।

पांच दिन की यात्रा के दौरान इस दल ने एसएसबी और प्रदेश पुलिस की सुरक्षा में उत्तर प्रदेश भ्रमण किया।

वाराणसी रेलवे स्टेशन मेघालय प्रतिनिधिमंडल की विदाई

वाराणसी रेलवे स्टेशन

विशेष धन्यवाद

सत्यमेव जयते

PM INDIA

शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
EDUCATION

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF
HOME AFFAIRS

युवा कार्यक्रम
एवं खेल मंत्रालय
MINISTRY OF
YOUTH AFFAIRS AND SPORTS

सूचना एवं
प्रसारण मंत्रालय
MINISTRY OF
INFORMATION AND BROADCASTING

पर्यटन मंत्रालय
MINISTRY OF
TOURISM

संस्कृति मंत्रालय
MINISTRY OF
CULTURE

रेल मंत्रालय
MINISTRY OF
RAILWAYS

IRCTC